भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1957

जिसका उत्तर 11 फरवरी, 2026 को दिया जाना है ।

22 माघ, 1947 (शक)

एआई के लिए सामान्य मानकों पर वैश्विक सहमति

1957. श्री सुधीर गुप्ताः
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतरावः
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत 16 से 20 फरवरी, 2026 तक आयोजित होने वाले प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सामान्य मानकों पर वैश्विक आम सहमति बनाने का प्रयास कर रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) शिखर सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और कार्यसूची क्या है और एआई मानकों, नैतिकता और शासन पर भारत के प्रस्तावित ढांचे का स्वरूप क्या है;

(ग) उक्त बैठक में कितने देशों, अंतरराष्ट्रीय निकायों और हितधारकों के शामिल होने की संभावना है,

(घ) प्रस्तावित सामान्य एआई मानक किस प्रकार नवाचार को सुरक्षा, पारदर्शिता, डेटा संरक्षण और समावेशिता के मुद्दों के साथ संतुलित करने का लक्ष्य रखते हैं; और

(ङ) भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप, अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र और एआई के जिम्मेदार उपयोग के लिए इस तरह की वैश्विक आम सहमति के संभावित लाभ क्या हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ङ):** माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, सरकार प्रौद्योगिकी के विकास और उपयोग का लोकतंत्रीकरण कर रही है। वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने और अंततः विभिन्न क्षेत्रों में जीवन को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

इसके महत्व को समझते हुए, भारत सरकार एआई के जिम्मेदार और समावेशी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, उद्योग, शिक्षाविदों और राज्यों के साथ मिलकर काम कर रही है।

<u>भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026</u>

भारत 16-20 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी कर रहा है। पहली बार, ग्लोबल एआई समिट सीरीज़ ग्लोबल साउथ में होगी। यह बदलाव एक अधिक समावेशी वैश्विक एआई संवाद की ओर एक व्यापक कदम का संकेत देता है।

<u>सात 'चक्र'</u>

समिट की विषयगत प्राथमिकताएं, जिन्हें सात 'चक्र' के रूप में जाना जाता है, इसके प्रमुख उद्देश्यों को रेखांकित करती हैं। इनमें मानव पूंजी, समावेशन, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई, लचीलापन, नवाचार और दक्षता, एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण और आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई शामिल हैं।

समिट में रणनीतिक संवाद, ज्ञान के आदान-प्रदान और हितधारकों के जुड़ाव को सक्षम करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक बहु-दिवसीय कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय और वैश्विक एआई पहलों को प्रदर्शित करने के लिए एआई एक्सपो, अनुसंधान संगोष्ठी के साथ-साथ विभिन्न गोलमेज सम्मेलन, मुख्य वक्ता पैनल चर्चा शामिल हैं।
यह समिट भारतीय एआई पारितंत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत भारतीय एआई पहलों, क्षेत्र-विशिष्ट उपयोग मामलों तथा संस्थागत दृष्टिकोणों को प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराए जा रहे हैं, साथ ही सहकर्मी अधिगम, प्रतिपुष्टि तथा अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्किंग को भी सक्षम बनाया जा रहा है।
समिट में 100 से अधिक देशों, 20 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और 100 सीएक्सओ के भाग लेने की उम्मीद है
इस समिट का उद्देश्य समावेशी, व्यापक-आधारित विचार-विमर्श को बढ़ावा देना और एआई में सुरक्षा, विश्वास, समावेशन, नवाचार और मानकों के आसपास विषयगत चर्चा को उत्प्रेरित करना है। कार्रवाई योग्य सिफारिशें तैयार करने पर जोर दिया गया है जो तत्काल बाध्यकारी नियमों को तैयार करने के बजाय दीर्घकालिक एआई शासन उद्देश्यों में योगदान करती हैं।
कुछ विषयगत कार्य समूह, विशेष रूप से सुरक्षित एवं विश्वसनीय एआई कार्य समूह तथा सामाजिक सशक्तिकरण हेतु समावेशन कार्य समूह, से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्लेबुक, ढाँचे या संदर्भ मार्गदर्शिकाओं जैसी स्वैच्छिक मार्गदर्शन सामग्री विकसित करेंगे। इन निष्कर्षों का उद्देश्य सुरक्षा, विश्वास, समावेशिता तथा एआई के जिम्मेदार परिनियोजन से संबंधित मुद्दों को समझने और उनसे निपटने में हितधारकों का समर्थन करना है, साथ ही नवाचार और संदर्भ-आधारित अनुकूलन के लिए लचीलापन बनाए रखना भी है।

अपनी विषयगत चर्चाओं, कार्य समूह के आउटपुट और प्रदर्शनियों, प्रदर्शनों और नवाचार प्रदर्शनों जैसे संबंधित प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से, समिट से भारतीय स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को अपना काम प्रस्तुत करने, वैश्विक भागीदारों के साथ जुड़ने और सहयोग का पता लगाने के अवसर प्रदान करने की उम्मीद है।
इन संवादों का उद्देश्य एआई के जिम्मेदार विकास और अपनाने में योगदान देना, नवाचार-प्रधान विकास को प्रोत्साहित करना, तथा वैश्विक एआई पारितंत्र में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करना है।

****